मंगलवार, 1 अक्टूबर, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

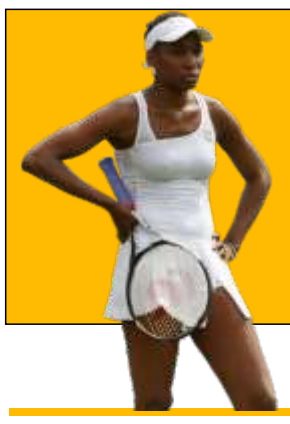

चैंपियन वीनस विलियम्स US ओपन 2026 के टूर्नामेंट के पहले राउंड में हारकर बाहर हो गईं

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

2 करोड़ की फिल्म ने मचाया तहलका

Page-05

प्रधानमंत्री मोदी को उज़्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय सम्मान से नवाजा गया है।इस सम्मान पर ओवैसी ने बाबर का जिक्र करते हुए बीजेपी और RSS की राजनीति पर सवाल उठाए हैं।

उज़्बेकिस्तान से PM मोदी को सर्वोच्च सम्मान

ओवैसी का तंज- 'जिस देश से बाबर आया, वहीं से मिला सम्मान'

- **प्रधानमंत्री मोदी को उज़्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर असदुद्दीन ओवैसी ने बीजेपी और RSS पर निशाना साधते हुए बाबर का जिक्र किया और आत्ममंथन की सलाह दी।**
- **'ओली दराजली दोस्तलिक' सम्मान को भारत-उज़्बेकिस्तान के मजबूत होते कूटनीतिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों की अहम उपलब्धि माना जा रहा है।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज़्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ओली दराजली दोस्तलिक' से सम्मानित किए जाने पर AIMIM प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने राजनीतिक तंज कसा है। ओवैसी ने इस सम्मान को लेकर बीजेपी और संघ परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को उसी धरती से सम्मान मिला है, जहां से मुगल शासक बाबर भारत आया था।उज़्बेकिस्तान की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को दिए गए इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए ओवैसी ने बीजेपी और RSS से आत्ममंथन करने की सलाह दी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रधानमंत्री को उस देश से सम्मान मिल रहा है, जिसे बाबर की जन्मभूमि के तौर पर देखा जाता है, तो अब बीजेपी विपक्ष पर राजनीतिक हमलों में बाबर के नाम का इस्तेमाल किस तरह करेगी।ओवैसी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारतीय राजनीति में इतिहास और मुगल काल से जुड़े मुद्दे अक्सर राजनीतिक बहस का हिस्सा बनते रहे हैं। AIMIM प्रमुख ने प्रधानमंत्री को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मान को इसी राजनीतिक संदर्भ से जोड़ते हुए बीजेपी पर निशाना साधने की कोशिश की।प्रधानमंत्री मोदी को उज़्बेकिस्तान का सर्वोच्च राजकीय सम्मान मिलना भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच बढ़ते संबंधों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। ऐसे में किसी भारतीय प्रधानमंत्री को वहां का सर्वोच्च सम्मान दिया जाना दोनों देशों के रिश्तों की अहमियत को दर्शाता है।हालांकि, इस सम्मान के बाद भारत में राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। ओवैसी ने अपने बयान के जरिए बीजेपी की उस राजनीति पर सवाल उठाया, जिसमें वह कई मौकों पर मुगल शासकों के इतिहास को लेकर विपक्ष पर हमला करती रही है।उनके बयान के बाद यह मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ सकता है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिलने वाले सम्मान को घरेलू राजनीतिक विवादों से किस हद तक जोड़ना उचित है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी को मिले सम्मान को भारत की कूटनीतिक उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी नेता इसे बीजेपी की राजनीति पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

Delhi-NCR में निर्भया जैसी दरिंदगी

चलती स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा से गैंगरेप

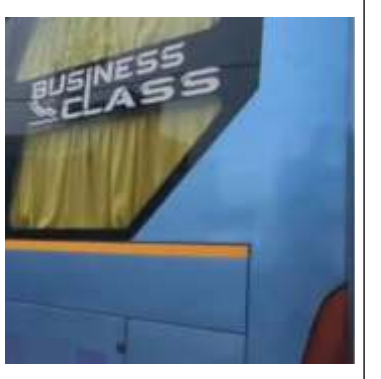

दिल्ली-NCR में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रेटर नोएडा से दिल्ली के बीच चलने वाली एक स्लीपर बस में 11वीं कक्षा की 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर गैंगरेप का मामला सामने आया है। वारदात के आरोप बस के ड्राइवर और कंडक्टर पर लगे हैं, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के मुताबिक, पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली है और 11वीं कक्षा में पढ़ती है। बताया गया है कि 4 अगस्त की रात वह ग्रेटर नोएडा के परी चौक से दिल्ली के कश्मीरी गेट ISBT जाने के लिए स्लीपर बस में सवार हुई थी। दोनों स्थानों के बीच करीब 47 किलोमीटर की दूरी के दौरान चलती बस में उसके साथ कथित तौर पर दरिंदगी की गई।आरोप है कि बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने मौके का फायदा उठाकर छात्रा के साथ गैंगरेप किया। घटना के बाद मामला सामने आने पर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों की तलाश तेज कर दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्ध आरोपियों को उत्तर दिल्ली के तिमारपुर इलाके से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप के रूप में हुई है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है और वारदात से जुड़े साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है।यह घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि पीड़िता नाबालिग है और वारदात सार्वजनिक परिवहन में हुई। ऐसे मामलों में महिला और बच्चों की सुरक्षा के लिए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में निगरानी और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

अंकित बालियान हत्याकांड में बड़ा एक्शन

UP STF ने एनकाउंटर में दो मुख्य आरोपी किए ढेर

हरियाणवी सिंगर और लोकप्रिय यूट्यूबर अंकित बालियान हत्याकांड में उत्तर प्रदेश पुलिस और STF को बड़ी कामयाबी मिली है। सोमवार तड़के शामली जिले में हुई मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने हत्या के दो मुख्य आरोपियों को मार गिराया। मारे गए आरोपियों की पहचान मोहित और सुमित के रूप में हुई है।अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस और STF को अंकित बालियान हत्याकांड में शामिल आरोपियों के बारे में अहम जानकारी मिली थी। इसके आधार पर टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान शामली के पास पुलिस और बदमाशों का आमना-सामना हो गया। मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।पुलिस के अनुसार, मारे गए दोनों बदमाशों पर अंकित बालियान की हत्या में शामिल होने का आरोप था। उनकी पहचान मोहित और सुमित के तौर पर की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या की साजिश में इन दोनों की क्या भूमिका थी और इस वारदात से जुड़े अन्य लोग कौन-कौन हैं।अंकित बालियान हरियाणवी संगीत और सोशल मीडिया की दुनिया में लोकप्रिय नाम थे। उनकी हत्या के बाद मामले ने काफी तूल पकड़ा था। घटना के बाद से ही पुलिस पर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का दबाव था। अब दो मुख्य आरोपियों के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिलने की उम्मीद है।उत्तर प्रदेश STF पहले भी संगठित अपराध और गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करती रही है। इस मामले में भी STF ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों की तलाश की और आखिरकार मुठभेड़ में दोनों को ढेर कर दिया।

Kashmir में ISI की नई डिजिटल साजिश

VPN के जरिए आतंकियों तक पहुंच रहे निर्देश

सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों के डिजिटल नेटवर्क को लेकर एक नई और गंभीर जानकारी का खुलासा किया है। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए आतंकियों द्वारा संपर्क और गतिविधियां संचालित किए जाने के बाद अब उनके संचार के एक और गुप्त तरीके का पता चला है। एजेंसियों के मुताबिक, आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI अपने स्थानीय नेटवर्क तक निर्देश पहुंचाने के लिए एन्क्रिप्टेड ऐप्स, VPN और वर्चुअल सिम जैसे माध्यमों का इस्तेमाल कर रहे हैं।अधिकारियों के अनुसार, आतंकियों ने सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचने के लिए पारंपरिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से दूरी बनानी शुरू कर दी है। इसके बजाय वे ऐसे डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जहां उनकी पहचान और बातचीत को ट्रैक करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है।जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ आतंकी नेटवर्क अश्लील सामग्री वाली वेबसाइटों और विशेष रूप से तैयार किए गए एन्क्रिप्टेड एप्लिकेशन का इस्तेमाल गुप्त संवाद के लिए कर रहे हैं। इन माध्यमों के जरिए पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर जम्मू-कश्मीर में मौजूद अपने संपर्कों को निर्देश देने की कोशिश कर रहे हैं।सुरक्षा एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती इन डिजिटल संचार माध्यमों की पहचान और उनकी निगरानी है। VPN और एन्क्रिप्टेड ऐप्स उपयोगकर्ताओं की वास्तविक डिजिटल पहचान और लोकेशन को छिपाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, वर्चुअल सिम के इस्तेमाल से भी आतंकियों के लिए अपनी पहचान छिपाकर संपर्क बनाए रखना आसान हो जाता है। एजेंसियों का मानना है कि आतंकवादी संगठन लगातार अपनी रणनीति बदल रहे हैं और तकनीक का इस्तेमाल सुरक्षा तंत्र से बचने के लिए कर रहे हैं। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां अब आतंकियों के डिजिटल नेटवर्क को तोड़ने पर भी विशेष ध्यान दे रही हैं। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के बाद सामने आया यह नया नेटवर्क इस बात का संकेत है कि आतंकवादी संगठन इंटरनेट के अलग-अलग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अपने गुप्त अभियानों के लिए करने की कोशिश कर रहे हैं।

'शुद्धिकरण' विवाद पर कांग्रेस सांसद के खिलाफ FIR दर्ज

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। उत्तराखंड के हल्द्वानी में वाल्मीकि समुदाय के एक सदस्य की शिकायत के आधार पर पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज की है। मामला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की एक जनसभा के बाद रामलीला मैदान में आयोजित कथित 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी से जुड़ा है।शिकायतकर्ता ने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विवाद उस टिप्पणी को लेकर है, जिसमें राहुल गांधी ने खड़गे की जनसभा के बाद हुए कार्यक्रम और उससे जुड़े घटनाक्रम पर सवाल उठाए थे।मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं के तहत FIR दर्ज की है। हालांकि, अब आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होगी।

BSF की बड़ी कार्रवाई

बंगाल-बांग्लादेश बॉर्डर पर महिला के पास से 25 करोड़ का 15.6 किलो सोना जब्त

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि सरकार की हिंसा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने वाले भारत के युवाओं का साहस सराहनीय है। उन्होंने आगे कहा कि बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करने वाली छात्राओं की भी तारीफ होनी चाहिए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर छात्रों से बातचीत का वीडियो भी शेयर किया। इन छात्रों ने पिछले महीने पेपर लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। राहुल और छात्रों के बीच यह बातचीत 5 अगस्त को हुई थी, लेकिन इसका वीडियो उन्होंने आज शेयर किया है। वीडियो में राहुल ने प्रदर्शनाकरियों से पूछ कि हैरेसमेंट तो नहीं हो रहा आप लोगों का? इसपर जवाब देते हुए एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि हां सर हो रहा है। रोज 10-12 गालिंया आ जाती हैं। वहीं, एक दूसरी प्रदर्शनकारी ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए लोग थ्रेट्स भेजते हैं। राहुल ने एक छात्रा से पूछा कि आप लोग प्रदर्शन में क्यों शामिल हुए? इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर हर कोई अपने इशू के लिए अलग-अलग आवाज उठाएगा तो कोई

समाधान नहीं निकलेगा। हमें इन जनरल लोगों की समस्याओं को समझना होगा। इस साल ऐसे ही पेपर लीक हुआ। उत्तर प्रदेश में एजुकेशन सिस्टम के हालात बहुत खराब हैं। वहां सिर्फ मंदिर-मस्जिद ही मुद्दा है। उन्होंने आगे कहा कि 20 जुलाई को हम पर बुरी तरीके से लाठीचार्ज किया गया। एक महिला प्रदर्शनकारी ने यह भी कहा कि मुझे 7 लाठियां मारी गईं। पुलिस ने हमें देशद्रोही कहा। इसके बाद राहुल ने कहा कि बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो अपने आस-पास गलत होते देखते हैं लेकिन आवाज नहीं उठाते हैं। मैं उसे राष्ट्रवाद नहीं मानता। मेरी नज़र में यह गलत है। जो आप लोगों ने किया वो हकीकत में राष्ट्रवाद है। दरअसल, 31 जुलाई की रात पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर कहा था कि जंतर-मंतर पर कुछ बच्चों ने मुझे और मेरी मां को गालियां दीं। लेकिन मैं इन्हें माफ करना चाहता हूं। राहुल गांधी ने 5 अगस्त को दिल्ली में 10 जनपथ पर जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को हुए कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट पर लाठी-पैलेट गन से हमला किया गया।

नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ ने घर, दुकान और पुल सब बहा दिए

चश्मदीदों ने आपबीती बताई

इस बीच एक स्थानीय महिला फुलमाया लामा ने बताया कि बाढ़ से पहले लोग अपनी सामान्य जिंदगी जी रहे थे। उनकी कपड़ों की दुकान थी। उन्होंने दुकान खोली और सफाई की। तभी उन्हें तिब्बत में ग्लेशियल झील फटने की जानकारी मिली। लोगों को तुरंत सतर्क किया गया। पुलिस ने लाउडस्पीकर से चेतावनी दी।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नेपाल में आई अचानक बाढ़ ने कुछ ही घंटों में जिंदगी बदल दी। जहां कल तक घर थे, वहां अब मलबा है। दुकानें थीं, वहां कीचड़ और टूटी चीजें पड़ी हैं। सड़कें और पुल सब बह गए। लोग अपनी जान बचाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचे। कई परिवार अब दूसरों के घरों में रहने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा तबाही त्रिशूली इलाके में देखने को मिली। हालांकि बाढ़ के बीच एक हरे रंग का दो मंजिला घर लगभग सुरक्षित खड़ा दिखाई दिया। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग घर को लेकर खूब बढ़ाई कर रहे हैं। खासकर मकान बनाने वाले इंजीनियर और ठेकेदार की। कुछ ने तो यहां तक लिख दिया कि इसे नेपाल का सबसे बेस्ट और मजबूत घर घोषित कर देना चाहिए। इसे नेपाल रत्न से नवाजा जाना चाहिए। ऐसे ही ढेरों कमेंट सोशल मीडिया पर लोग कर रहे हैं। इस बीच एक स्थानीय महिला फुलमाया लामा ने बताया कि बाढ़ से पहले लोग अपनी सामान्य जिंदगी जी रहे थे। उनकी कपड़ों की दुकान थी। उन्होंने दुकान खोली और सफाई की। तभी उन्हें तिब्बत में ग्लेशियल झील फटने की जानकारी मिली। लोगों को तुरंत सतर्क किया गया। पुलिस ने लाउडस्पीकर से चेतावनी दी। लोगों से सुरक्षित जगह जाने को कहा गया। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि पानी इतनी तेजी से पहुंचेगा। लामा ने बताया कि देखते ही देखते पानी और मलबा उनकी तरफ आने लगा। पानी इतना ऊंचा था कि देखकर लोगों के होश उड़ गए। बुजुर्ग, बच्चे और परिवार जान बचाने के लिए भागने लगे। लोगों को चेतावनी देने वाली पुलिस की गाड़ी तक बाढ़ में बह गई।

लामा का अपना घर भी नहीं बचा। उनका परिवार छह दिनों से किसी दूसरे के घर में रह रहा है। खाने और रहने का भी कोई पक्का इंतजाम नहीं है। वो कई दिन से भूखी हैं। लामा के मुताबिक, इलाके के कई लोग अब भी लापता हैं। उनके घर के पास एक महिला और उसका बेटा गायब हैं। एक होटल से भाई-बहन का भी पता नहीं है। एक बुजुर्ग भी लापता हैं। एक अन्य स्थानीय व्यक्ति ने अपनी हालत बताते हुए कहा कि लौटकर देखा तो वहां कुछ भी नहीं बचा था। उनका घर और दुकान दोनों बह चुके थे। जिस दुकान से उनका परिवार चलता था, उसका भी कोई निशान नहीं है। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर से उन्हें सुरक्षित निकाला गया था। लेकिन वापस आने पर तबाही का मंजर देखकर वे टूट गए। एक अन्य महिला ने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी में पहली बार इतनी भयानक बाढ़ देखी। उन्हें अब तक राहत नहीं मिली है। वह किसी और के घर में रहने को मजबूर हैं। वहीं एक अन्य बाढ़ पीड़ित प्रकाश तमांग के लिए सबसे बड़ी राहत यह रही कि उनके दोनों बच्चे सुरक्षित हैं। जिस दिन बाढ़ आई, उन्होंने बच्चों को स्कूल बस से भेजने के बजाय खुद कार से स्कूल पहुंचाया था। कुछ ही समय बाद बाढ़ ने इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। तमांग का घर पूरी तरह बह गया। उन्होंने परिवार को काठमांडू भेज दिया। अब वह वापस आकर नुकसान का जायजा ले रहे हैं।

सिंधु जल संधि को लेकर अमेरिका में पाकिस्तान की फजीहत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सिंधु जल संधि पर अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान की फजीहत हो गई है। इस कार्यक्रम में पाकिस्तानी आयोजकों ने कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया था लेकिन एक भी अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ नहीं पहुंचे। रिपोर्ट के मुताबिक वॉशिंगटन में हुई एक पॉलिसी बातचीत में ज्यादातर पाकिस्तानी लोगों ने कहा कि पाकिस्तान को राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़े झगड़ों को 'सिंधु जल संधि' (IWT) से पीछे हटने का बहाना नहीं बनाना चाहिए। एक्सपर्ट्स का मानना है कि पाकिस्तान जो प्रोपेगेंडा फैला रहा है उसमें उसे बड़ा झटका लगा है।रिपोर्ट के मुताबिक 28 और 29 अगस्त को इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस बातचीत के दौरान पाकिस्तानी वक्ताओं ने तर्क दिया कि पानी के बंटवारे की व्यवस्था को राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़े झगड़ों से अलग रखा जाना चाहिए और संधि की शर्तों के आधार पर ही सिंधु नदी प्रणाली का प्रबंधन जारी रहना चाहिए। वहीं 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी कि राजनीतिक तनावों के कारण उस समझौते को कमजोर नहीं होने देना चाहिए जो पाकिस्तान और भारत के बीच युद्धों और बार-बार आए संकटों के बावजूद कायम रहा है। अमेरिका की राजधानी में चर्चा आयोजित करके इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की पाकिस्तान की गंभीर कोशिशों के बावजूद वह किसी भी जल या अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ को इसमें शामिल करने में नाकाम रहा। इनमें से कोई भी इसके किसी सत्र में शामिल नहीं हुआ। बोस्टन यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर जरूर इसमें शामिल हुए थे लेकिन वो भी लाहौर यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर आदिल नजम थे।

एडल्ट एप के जरिए सोशल मीडिया पर लोगों को निशाना बनाया जाता

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

साइबर ठगों ने धोखाधड़ी के लिए एक नई साजिश रची है। इसके तहत एडल्ट एप के जरिए सोशल मीडिया पर लोगों को निशाना बनाया जाता है और उनका अकाउंट खाली कर दिया जाता है। आइए समझते हैं कि क्या है ये ठगी का नया तरीका। एडल्ट एप्स के जरिए फाइनेंशियल फ्रॉड के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। फेसबुक/इंस्टाग्राम पर विज्ञापनों के जरिए एप का फैलाव हो रहा है। नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट (एनसीटीएयू) ने इस बाबत लोगों को सचेत किया है। ये खतरपाक एप फेसबुक और इंस्टाग्राम पर विज्ञापनों में "Night Play", "Reloop", "Kyss", "Vimo", "Rivo", "Nexo", "Vixa" और इसी तरह के दूसरे नामों से चल रहे हैं। एप पर जाने के बाद लोगों से एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही वह फाइल डाउनलोड होती है, संबंधित व्यक्ति वित्तीय फ्रॉड का शिकार हो जाता है। साइबर अपराधी, बैंक खातों पर हाथ साफ कर देते हैं। एनसीटीएयू के अनुसार, ये एप्स मुख्य रूप से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर विज्ञापनों के जरिए बांटे जाते हैं, जो एडल्ट कंटेंट वाली वेबसाइटों पर ले जाते हैं। वहां यूज़र को एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। वह फाइल इंस्टॉल होने के बाद, एप ऐसी अनुमतियां मांगता है जो उसे अतिरिक्त ऐप्स इंस्टॉल करने की सुविधा देती हैं। एक्सेसिबिलिटी अनुमति का गलत इस्तेमाल करके वह यूज़र के डिवाइस का कंट्रोल अपने हाथ में ले लेता है। इसके चलते फाइनेंशियल फ्रॉड हो सकता है। कुछ एप्स वीपीएन भी इंस्टॉल करते हैं, जिसका इस्तेमाल खतरनाक/आपराधिक गतिविधियों से जुड़े इंटरनेट ट्रैफ़िक को रूट करने के लिए किया जा सकता है। एप यूजर को डिवाइस सेटिंग्स के ज़रिए इसे अनइंस्टॉल करने से रोक सकता है।

मिडिल ईस्ट में एक बार फिर जंग के हालात पैदा हो गए

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मिडिल ईस्ट में एक बार फिर जंग के हालात पैदा हो गए हैं। जहां अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर टकराव शुरू हो गया है वहीं संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की वायुसेना ने सोमवार को अपने जलक्षेत्र के ऊपर एक ईरानी ड्रोन को रोक दिया। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब एक महीने में पहली बार इस वीकेंड में अमेरिका और ईरान के बीच फिर से गोलीबारी हुई। अमेरिकी सेना ने रविवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में लारक द्वीप पर ईरान के रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया। रक्षा मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात के जलक्षेत्र की तरफ आते हुए एक ईरानी ड्रोन का पता चला, जिसे "निष्क्रिय कर दिया गया"। ईरान की ओर से तत्काल इस घटना की जिम्मेदारी लेने का कोई दावा नहीं किया गया और न ही किसी तरह के नुकसान की खबर है। बाद में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के रक्षा मंत्रालय ने दूसरा बयान जारी कर उन खबरों का खंडन किया, जिनमें ईरानी मीडिया संस्थानों ने दावा किया था कि दुबई के अल मेनहद एयर बेस को ईरानी मिसाइलों ने निशाना बनाया था। यह घटना ऐसे समय हुई जब अमेरिकी सेना ने रविवार को ईरान के एक द्वीप पर मौजूद रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया। इससे 6 महीने से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध में जारी संघर्षविराम जैसी स्थिति खत्म हो गई और फिर से लड़ाई शुरू हो गई। इस हमले के जवाब में ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। लेकिन इन मिसाइलों को रास्ते में ही निष्क्रिया कर दिया दिया गया। इससे पहले सोमवार तड़के ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान "वैध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने से नहीं हिचकेगा और किसी भी सैन्य आक्रमण का निर्णायक जवाब देगा।"

ईरान युद्ध के बाद पहली बार मिले PM मोदी और मसूद पेजेश्कियान

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में SCO समिट के दौरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन से मुलाकात की। यह दोनों नेताओं के बीच दो साल में हुई पहली मुलाकात थी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भी एक बैठक तय की गई है। इस दौरान मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात होने की संभावना है, हालांकि अभी तक कोई अलग द्विपक्षीय बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं की गई है। उम्मीद है कि दोनों नेता अपनी बैठक के दौरान भारत-रूस के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। विदेश मंत्रालय के सचिव ने कहा हाल ही में मॉस्को में IRIGC (भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग) की बैठक बहुत सफल रही थी। उम्मीद है कि बिश्केक में SCO समिट के दौरान नेताओं की बैठक में दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा

करेंगे। यह तय बैठक विदेश मंत्री एस. जयशंकर की रूस की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान क्रेमलिन में पुतिन से मुलाकात और रूसी राष्ट्रपति तक प्रधानमंत्री मोदी की "शुभकामनाएं" पहुंचाने के कुछ दिनों बाद हो रही है। इस दौरान मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात हो सकती है, हालांकि अभी तक किसी अलग द्विपक्षीय बैठक का औपचारिक कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। SCO की स्थापना 2001 में चीन, रूस और मध्य एशिया के चार देशों ने एक सुरक्षा मंच के तौर पर की थी। पिछले 25 सालों में इसका दायरा और प्रभाव बढ़ा है, हालांकि इसके लक्ष्य और कार्यक्रम अभी भी स्पष्ट नहीं हैं और इसकी पहचान भी कम है। इससे पहले, पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर उज़्बेकिस्तान गए थे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि उज़्बेकिस्तान की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान, पीएम मोदी और राष्ट्रपति शौकत मिर्ज़ियोयेव ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की। ये संबंध सदियों पुराने सांस्कृतिक रिश्तों पर आधारित हैं और लोगों के बीच मजबूत आपसी संबंधों से और भी गहरे हुए हैं।

संपादक की कलम से

तमिलनाडु की राजनीति में गठबंधन की सरकार बनने के साथ ही सहयोगी दलों के बीच राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का टकराव सामने आने लगा है। कांग्रेस नेता और राज्य सरकार में मंत्री राजेश कुमार का यह कहना कि 2029 में राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने पर TVK की सहमति जरूरी है और ऐसा न होने पर कांग्रेस के मंत्री इस्तीफा दे सकते हैं, गठबंधन की राजनीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सरकार चलाने के लिए बने गठबंधन को राष्ट्रीय राजनीति की महत्वाकांक्षाओं से जोड़ना कितना उचित है, यह बहस का विषय है।लोकतंत्र में किसी भी गठबंधन की मजबूती आपसी विश्वास, साझा न्यूनतम कार्यक्रम और जनता से किए गए वादों पर निर्भर करती है। सहयोगी दलों को अपने-अपने राजनीतिक लक्ष्य रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन सरकार की स्थिरता को किसी एक नेता के प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से जोड़ना राजनीतिक अस्थिरता पैदा कर सकता है। खासकर तब, जब सरकार का बहुमत कई दलों के समर्थन पर टिका हो।कांग्रेस के लिए राहुल गांधी को 2029 में प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाना राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन TVK की अपनी राष्ट्रीय और राज्य स्तर की राजनीतिक प्राथमिकताएं हैं। इसलिए कांग्रेस की मांग को स्वीकार करना TVK के लिए केवल गठबंधन धर्म का सवाल नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक भविष्य से जुड़ा फैसला भी हो सकता है। ऐसे में सार्वजनिक मंचों से दी गई चेतावनियों के बजाय गठबंधन के भीतर संवाद और सहमति का रास्ता अधिक लोकतांत्रिक और व्यावहारिक होगा।दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सुरक्षा को Z+ से घटाकर Z श्रेणी किए जाने का फैसला भी राजनीतिक बहस को जन्म दे सकता है। सुरक्षा व्यवस्था का निर्धारण राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर नहीं, बल्कि पेशेवर सुरक्षा आकलन के आधार पर होना चाहिए। किसी भी पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा में बदलाव पारदर्शी प्रक्रिया और स्पष्ट सुरक्षा मूल्यांकन के आधार पर ही होना चाहिए।तमिलनाडु की जनता ने नई राजनीतिक व्यवस्था को अवसर दिया है। अब जिम्मेदारी सत्ता में बैठे दलों की है कि वे व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर शासन पर ध्यान दें। गठबंधन तभी सफल होगा, जब उसमें संख्या के साथ-साथ विश्वास भी कायम रहे। सत्ता का गणित बदल सकता है, लेकिन जनता के प्रति जवाबदेही नहीं बदलनी चाहिए।

राहुल गांधी पर TVK-कांग्रेस में रार! कांग्रेस मंत्री की चेतावनी- सहमति नहीं बनी तो देंगे इस्तीफा

तमिलनाडु की TVK सरकार में कांग्रेस अहम सहयोगी की भूमिका निभा रही है।अब राहुल गांधी को 2029 में प्रधानमंत्री बनाने को लेकर कांग्रेस और TVK के बीच मतभेद के संकेत मिले हैं।कांग्रेस मंत्री की चेतावनी के बाद गठबंधन की सियासत में तनाव बढ़ने की अटकलें तेज हो गई हैं।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु की राजनीति में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कझगम (TVK) सरकार को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सरकार में कांग्रेस की अहम भूमिका के बीच अब दोनों दलों के बीच मतभेद के संकेत सामने आए हैं। कांग्रेस के एक मंत्री ने TVK को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर पार्टी 2029 में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाए जाने के प्रस्ताव पर सहमत नहीं होती है, तो कांग्रेस के दो मंत्री तमिलनाडु सरकार से इस्तीफा दे देंगे।तमिलनाडु सरकार में मंत्री और कांग्रेस नेता राजेश कुमार ने कन्याकुमारी में एक सभा को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी साल 2029 में भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अगर TVK इस विचार से सहमत नहीं होती है, तो TVK सरकार में शामिल कांग्रेस के दोनों मंत्री अपने पदों से इस्तीफा दे देंगे।राजेश कुमार के इस बयान के बाद तमिलनाडु की सियासत में नई चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल, 1967 के बाद यह पहली बार है जब राज्य में द्रमुक (DMK) या अन्नाद्रमुक (AIADMK) के अलावा किसी अन्य पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनी है। जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली TVK सरकार में कांग्रेस की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में कांग्रेस नेता की ओर से दिया गया यह बयान गठबंधन के भीतर भविष्य की राजनीतिक रणनीति को लेकर सवाल खड़े कर रहा है।तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों का है। TVK के पास 108 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के 5 विधायक सरकार का समर्थन कर रहे हैं। इसके अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (CPI-M), विदुथलाई चिरुथाइगल काची (VCK) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML) के दो-दो विधायक TVK सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे हैं। इस समर्थन के बदले TVK ने कांग्रेस को सरकार में दो मंत्री पद और राज्यसभा की एक सीट देने पर सहमति जताई है।इसी बीच TVK सरकार ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और DMK नेता एमके स्टालिन की सुरक्षा को लेकर भी बड़ा फैसला लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य सचिवालय में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के बाद तमिलनाडु पुलिस की कोर सेल सिक्योरिटी विंग ने स्टालिन की सुरक्षा को Z+ श्रेणी से घटाकर Z कैटेगरी में कर दिया है।सुरक्षा श्रेणी में बदलाव के बाद स्टालिन की सुरक्षा में तैनात कर्मियों की संख्या भी कम कर दी गई है। पहले उनकी सुरक्षा में 54 सुरक्षाकर्मी तैनात थे, जिसे घटाकर अब 34 कर दिया गया है। एक तरफ कांग्रेस और TVK के बीच राहुल गांधी को लेकर बयानबाजी तेज हो रही है, तो दूसरी ओर स्टालिन की सुरक्षा में कटौती का फैसला भी राज्य की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है।

कर्मचारियों की हड़ताल और मांगों को लेकर बीजेपी ने भगवंत मान सरकार पर हमला बोला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब में सरकारी कर्मचारियों की हड़ताल और उनकी मांगों को लेकर बीजेपी ने आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार पर निशाना साधा है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने मान सरकार और अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाए। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि भगवंत मान सरकार कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौरव भाटिया ने कहा कि पंजाब में करीब 3 लाख सरकारी कर्मचारी, जिनमें संविदा कर्मचारी भी शामिल हैं, विभिन्न जिलों में हड़ताल और प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि करीब 3.5 लाख पेंशनर्स भी कर्मचारियों के समर्थन में हैं। बीजेपी नेता भाटिया ने कहा कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, लंबित महंगाई भत्ता (DA) का भुगतान और पुरानी पेंशन योजना (OPS) की बहाली शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2022 में अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से इन मुद्दों को लेकर वादे किए गए थे, लेकिन अब तक इन पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों के नियमितीकरण का वादा किया था, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। इसी तरह कर्मचारियों का महंगाई भत्ता भी लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुरानी पेंशन योजना लागू करने की बात कहे जाने के बावजूद इसके लिए अब तक कोई ठोस ढांचा तैयार नहीं किया गया है। गौरव भाटिया ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के उस रुख पर भी सवाल उठाया, जिसमें कथित तौर पर कहा गया है कि जब तक कर्मचारी हड़ताल वापस नहीं लेते, तब तक सरकार उनसे बातचीत नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री को इस तरह दबाव नहीं बनाना चाहिए। उन्हें कर्मचारियों से बातचीत करनी चाहिए। यही लोकतंत्र की मूल भावना है। भाटिया ने पंजाब सरकार के 29 अगस्त के एक सरकारी आदेश का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों की सूची तैयार करने और उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार ने कर्मचारियों को DA देने, नौकरियों को नियमित करने और OPS लागू करने का वादा किया था, तो इन मांगों को पूरा करने के बजाय प्रदर्शनकारियों की सूची क्यों तैयार की जा रही है। बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं का जवाब देने के बजाय कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि यह तानाशाही जैसा व्यवहार है और भगवंत मान इसके उदाहरण हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार ने सरकारी दफ्तरों में हफ्ते में दो बार 'जनता दरबार' आयोजित करने का निर्णय लिया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल सरकार ने सरकारी दफ्तरों में हफ़्ते में दो बार 'जनता दरबार' लगाकर लोगों की शिकायतों के समाधान के सिस्टम को और मज़बूत करने का फ़ैसला किया है। इस नए सिस्टम के तहत, ज़मीनी स्तर के अधिकारियों को हर मंगलवार और गुरुवार को नागरिकों से आमने-सामने मिलकर उनकी शिकायतें सुननी होंगी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने लोगों की शिकायतों को सीधे सुनने के लिए 'आपणार सरकार आपणार पाशे' (आपकी सरकार, आपके साथ) पहल शुरू की थी। इस प्रोग्राम के तहत, वह हर हफ़्ते खुद 'जनता दरबार' लगाते हैं, नागरिकों से बातचीत करते हैं और उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुनते हैं। शिकायतों को दर्ज करने और उन पर हुई कार्रवाई को ट्रैक करने के लिए एक ऑनलाइन सिस्टम भी शुरू किया गया है। नबन्ना प्रशासन ने अब इस पहल को और मज़बूत करने और राज्य भर के लोगों के लिए सरकारी अधिकारियों तक सीधे पहुँचना आसान बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं। नई व्यवस्था के तहत, हर मंगलवार और गुरुवार को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक संबंधित अधिकारियों के दफ्तरों में 'जनता दरबार' आयोजित किए जाएंगे। इस व्यवस्था को जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला मजिस्ट्रेट, नगर आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी और अन्य फील्ड-स्तरीय अधिकारियों को तय समय के दौरान उपलब्ध रहने के लिए कहा गया है। इस दौरान कोई बैठक या आधिकारिक कार्यक्रम तय नहीं किया जाएगा ताकि अधिकारी आम जनता के लिए उपलब्ध रह सकें। यह पक्का करने के लिए कि नागरिक आसानी से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सकें, 'जनता दरबार' के दिन और समय के साथ-साथ अधिकारियों के मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जानकारी सरकारी दफ्तरों के बाहर और आधिकारिक वेबसाइटों पर प्रमुखता से दिखाई जाएगी। नागरिकों की शिकायतें सुनने के बाद, अधिकारियों को हर शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी 'आपणार सरकार आपणार पाशे' पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करनी होगी। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी 'कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग' करेगा ताकि यह पक्का किया जा सके कि शिकायतों पर आगे की कार्रवाई हो और शिकायत निवारण व्यवस्था जवाबदेह बनी रहे। इस बेहतर सिस्टम से उन लोगों को खास तौर पर फ़ायदा होने की उम्मीद है जो ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म या डिजिटल ऐप इस्तेमाल करने में सहज नहीं हैं। शिकायत दर्ज करने के लिए सिर्फ़ डिजिटल सिस्टम पर निर्भर रहने के बजाय, ऐसे नागरिक अब सीधे सरकारी दफ़्तर जाकर अधिकारियों से आमने-सामने मिलकर अपनी समस्याएँ बता सकेंगे।

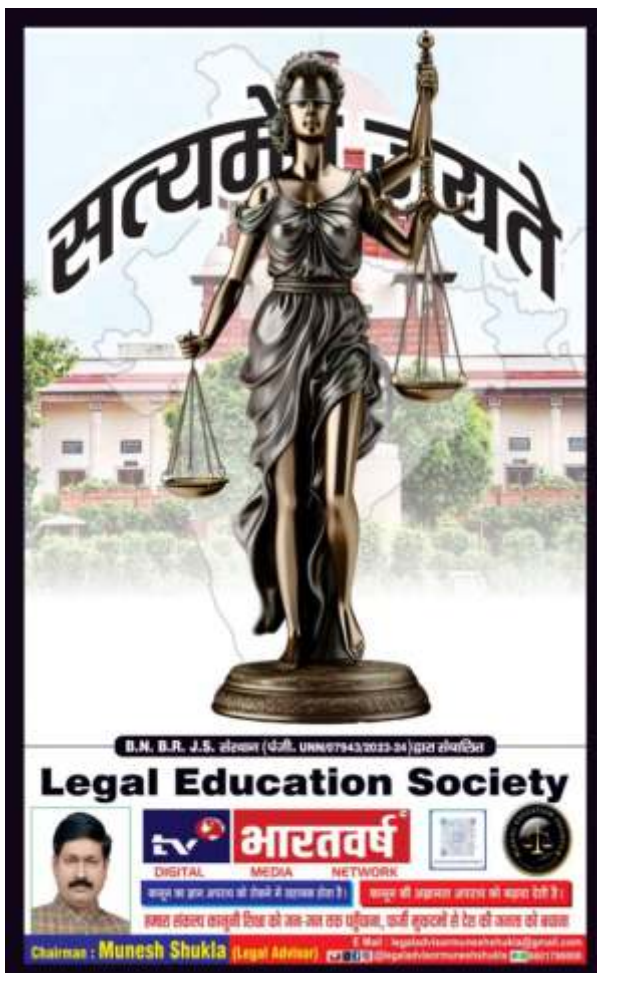

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने रेगुलर बेस पर स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर की रिक्तियां निकाली

एसबीआई में बिना किसी परीक्षा के नौकरी पाने की गोल्डन अपॉर्चुनिटी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (SCO) की रिक्तियां निकाली हैं। यह वैकेंसी रेगुलर बेस पर भरी जाएंगी। जिसके लिए बैंक ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर विज्ञापन जारी करके योग्य कैंडिडेट्स से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी एसबीआई की ऑफिशियल वेबसाइट sbi.bank.in पर अप्लाई कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन भी स्टार्ट हो गए हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर के अंतर्गत यह नई भर्ती ट्रेड फाइनेंस ऑफिसर पोस्ट के लिए निकाली गई है। ऐसे कैंडिडेट्स जिन्होंने इस फील्ड में पढ़ाई की है और काम का अनुभव भी हासिल किया है, खासतौर से उनके लिए यह भर्ती नौकरी लेने का अच्छा मौका बन सकती है। JMGS-I और MMGS-II ग्रेड पर जॉइनिंग होगी। जिसके तहत हर महीने सैलरी भी बढ़िया मिलेगी। ट्रेड फाइनेंस ऑफिसर (IBG) JMGS -I के लिए कैंडिडेट्स ने मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया हो। या IIBF से फॉरेक्स ऑपरेशंस सर्टिफिकेट हासिल किया हो। यह सर्टिफिकेट 31 जुलाई 2026 या इससे पहले का होना चाहिए। या ICC एकेडमी से ग्लोबल ट्रेड सर्टिफिकेट/ LIBF से इंटरनेशनल ट्रेड फाइनेंस (CITF) सर्टिफिकेट/ इंटरनेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट (IIBF) होना चाहिए। इसके साथ ट्रेड फाइनेंस प्रोसेसिंग एंड ऑपरेशंस में कम से कम 1 साल का अनुभव होना चाहिए।

ट्रेड फाइनेंस ऑफिसर MMGS-II पोस्ट के लिए भी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन और सर्टिफिकेट समान रहेंगे लेकिन अनुभव 3 साल तक होना चाहिए।

ट्रेड फाइनेंस ऑफिसर JMGS-I पोस्ट के लिए उम्मीदवारों की उम्र न्यूनतम 21 से 30 वर्ष तक होनी चाहिए। वहीं MMGS II स्केल के लिए 23 वर्ष न्यूनतम उम्र तय की गई है। अधिकतम उम्र 32 साल है। एज लिमिट 31 जुलाई 2026 को आधार मानकर काउंट की जाएगी। एज लिमिट में रिजर्व कैटेगिरी के कैंडिडेट्स को 03 से 15 साल तक की नियमानुसार छूट मिलेगी।

योग्य कैंडिडेट्स दोनों पोस्ट के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं। सैलरी कितनी मिलेगी?

दोनों पदों पर ग्रेड स्केल के आधार पर मंथली सैलरी मिलेगी। जूनियर मैनेजमेंट ग्रेड स्केल-I: पे स्केल ₹48480-₹85920/-

मिडल मैनेजमेंट ग्रेड स्केल-II: पे स्केल ₹64820-₹93960/-

बेसिक सैलरी के साथ-साथ कैंडिडेट्स डीए, एचआरए, सीसीए, प्रोविडेंट फंड, कंट्रीब्यूटरी पेंशन फंड, एनपीएस, लीव फेयर कंसेशन (LFC), मेडिकल फेसिलिटी और अन्य भत्ते पाने के भी हकदार होंगे। एसबीआई ने इस भर्ती का सेलेक्शन क्राइटेरिया बिना एग्जाम केवल दो चरणों में रखा है। जिसमें शॉर्टलिस्टिंग और इंटरव्यू को अहमियत दी गई है। शॉर्टलिस्टिंग: न्यूनतम योग्यता और अनुभव योग्यता होने पर यह जरूरी नहीं है कि आपको शॉर्टलिस्ट किया ही जाए। बैंक शॉर्टलिस्टिंग कमेटी द्वारा इसके पैरामीटर्स तय किए गए हैं। जिनको आधाक मानते हुए ही कैंडिडेट्स इंटरव्यू राउंड के लिए चुने जाएंगे।

इंटरव्यू: साक्षात्कार 100 नंबर का होगा। जिसके क्वालिफाइंग मार्क्स बैंक द्वारा ही तय किए जाएंगे।

मेरिट लिस्ट: इंटरव्यू में आने वाले स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों की मेरिट लिस्ट बनाई जाएगी। यदि एक से ज्यादा कैंडिडेट कटऑफ मार्क्स पर आत हैं, तो उम्र के मुताबिक मेरिट बनेगी।

कनाडा में भारतीय डॉक्टर्स के लिए जॉब के बेहतरीन मौके, परमानेंट रेजिडेंसी (PR) भी मिल सकती है

कनाडा में भारतीय डॉक्टर्स के लिए जॉब के बेहतरीन मौके हैं। उन्हें यहां पर परमानेंट रेजिडेंसी (PR) भी मिल सकती है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (IRCC) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा में इमिग्रेशन के 5 रास्ते हैं, जिनके जरिए योग्य डॉक्टर देश में परमानेंट रूप से रहने और काम करने के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

इन रास्तों में एक्सप्रेस एंट्री, प्रोविंशियल नॉमिनी प्रोग्राम (PNP), अटलांटिक इमिग्रेशन प्रोग्राम, रूरल कम्युनिटी इमिग्रेशन पायलट और फ्रेंकोफोन कम्युनिटी इमिग्रेशन पायलट शामिल हैं। कनाडा में काम करने की योजना बना रहे भारतीय डॉक्टरों के लिए सही रास्ता उनके वर्क एक्सपीरियंस, जॉब ऑफर, लोकेशन और योग्यता की अन्य जरूरतों पर निर्भर करेगा। आइए इनके बारे में जान लेते हैं। कनाडा में भारतीयों डॉक्टर्स के बसने के लिए पहला रास्ता एक्सप्रेस एंट्री है। विदेशी डॉक्टर एक्सप्रेस एंट्री के जरिए परमानेंट रेजिडेंस के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एक्सप्रेस एंट्री के तहत कनाडा में मेडिकल डॉक्टरों के लिए एक कैटेगरी भी है, जिनके पास पिछले तीन सालों में मेडिकल डॉक्टर के तौर पर कम से कम एक साल का फुल-टाइम कनाडाई वर्क एक्सपीरियंस हो। PNP के तहत प्रांत और क्षेत्र, परमानेंट रेजिडेंस के लिए योग्य मेडिकल डॉक्टरों को नॉमिनेट कर सकते हैं। कनाडा ने PNP के जरिए प्रांतों और क्षेत्रों के लिए 5,000 फेडरल इमिग्रेशन स्लॉट रिजर्व किए हैं, ताकि वे ऐसे मेडिकल डॉक्टरों को नॉमिनेट कर सकें, जिनके पास देश में स्थायी रूप से रहने और काम करने के लिए जॉब ऑफर या सपोर्ट लेटर हों। किसी प्रांत या क्षेत्र द्वारा नॉमिनेट किए गए डॉक्टरों के वर्क परमिट की प्रोसेसिंग 14 दिनों के भीतर हो सकती है, जिससे वे अपने PR आवेदन की प्रोसेसिंग का इंतजार करते हुए भी काम कर सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में गरजा तिलक वर्मा का बल्ला 24वें मैच में ठोका 8वां शतक

चैंपियन वीनस विलियम्स US ओपन 2026 के टूर्नामेंट के पहले राउंड में हारकर बाहर हो गईं

चार बार की ओलंपिक चैंपियन वीनस विलियम्स US ओपन 2026 के महिला सिंगल्स टूर्नामेंट के पहले राउंड में अपनी ही देश की सोफिया केनिन से सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गईं। Olympics.com के अनुसार, चार बार की ओलंपिक चैंपियन विलियम्स आर्थर ऐश स्टेडियम में देर रात हुए मुकाबले में केनिन से 2-6, 6-7(6) से हार गईं। केनिन ने पहला सेट आसानी से जीता और इसे सिर्फ़ 32 मिनट में 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में विलियम्स ने हिम्मत दिखाई; 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने टाई-ब्रेक तक मुकाबला पहुँचाया, लेकिन विलियम्स के कई सेट पॉइंट चूकने के बाद केनिन ने संयम बनाए रखा और जीत हासिल की। नोवाक जोकोविच और मारियानो नावोन के बीच चार घंटे 36 मिनट तक चले लंबे मुकाबले के बाद मैच खत्म हुआ। इस हार के साथ ही विलियम्स को लगातार 14वीं बार सिंगल्स मैच में हार का सामना करना पड़ा। उनकी आखिरी सिंगल्स जीत जुलाई 2025 में हुई थी। दो बार की US ओपन चैंपियन, विलियम्स इस टूर्नामेंट के मेन ड्रॉ में 26वीं बार और कुल मिलाकर 96वीं बार ग्रैंड स्लैम में हिस्सा ले रही थीं। हालांकि उनका सिंगल्स का सफर खत्म हो गया है, लेकिन विलियम्स विमेंस डबल्स इवेंट में अपना US ओपन का सफर जारी रखेंगी, जहां वह अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ जोड़ी बनाएंगी। इस जोड़ी को टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड मिला था। WTA वेबसाइट के अनुसार, इस हार के साथ विलियम्स का इस सीज़न का रिकॉर्ड 0-12 हो गया और US ओपन में यह उनकी लगातार पांचवीं हार थी, जो शुरुआती दौर में ही हुई। केनिन ने 28 विनर्स और 21 अनफोर्स्ड एरर्स के साथ मैच खत्म किया, जबकि विलियम्स ने 13 विनर्स लगाए और 24 अनफोर्स्ड एरर्स किए।

टीम इंडिया अब जल्द ही फिर से क्रिकेट के मैदान में नजर आएगी

टीम इंडिया अब जल्द ही फिर से क्रिकेट के मैदान में नजर आएगी। हाल ही में भारत बनाम श्रीलंका टेस्ट सीरीज का समापन हुआ है, जिसे भारतीय टीम ने अपने नाम किया था। हालांकि अब टेस्ट तो दूर हैं, लेकिन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलते हुए भारतीय टीम नजर आएगी। जल्द ही तीन टी20 मैचों की सीरीज होगी, इसके लिए टीम के स्क्वाड का भी ऐलान किया जाना है। चलिए आपको बताते हैं कि सीरीज के मैच कब और कहां खेले जाएंगे, साथ ही टीम का ऐलान कब तक किया जा सकता है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज सितंबर में ही खेली जाएगी। ये सीरीज अहम होगी, क्योंकि इसी के बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स के लिए चली जाएगी। एक तरह से देखें तो ये सीरीज तैयारी के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि खास बात ये है कि मैच भले ही भारत में खेले जाने हों, लेकिन इसकी मेजबानी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी एसीबी करेगा। पहला मैच 13 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। बाकी मैच भी इसी स्टेडियम पर खेले जाएंगे। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। इस बीच माना जा रहा है कि 3 सितंबर यानी सीरीज से दस दिन पहले गुरुवार को टीम का ऐलान किया जा सकता है। अफगानिस्तान अपने प्लेयर्स की लिस्ट पहले ही जारी कर दी है। टीम का ऐलान चाहे जब हो, लेकिन ये करीब करीब पक्का है कि श्रेयस अय्यर एक बार फिर से भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। हालांकि बाकी टीम कैसी होगी, इसके बारे में कुछ भी कहना संभव नहीं है। बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी सभी प्लेयर्स की नजर रखे हुए हैं। जो खिलाड़ी अच्छा खेल दिखा रहे हैं और फिट भी हैं, उन्हें मौका मिलने की पूरी संभावना है। श्रेयस अय्यर हाल ही में भारतीय टीम के टी20 कप्तान बने हैं, लेकिन उनका आगाज अच्छा नहीं रहा है।

ईस्ट जोन को वैभव ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ मिलकर बढ़िया शुरुआत दी

दलीप ट्रॉफी 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन को वैभव ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ मिलकर बढ़िया शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रनों की अच्छी साझेदारी निभाई। वैभव आक्रामक अंदाज में खेलते हुए दिखाई दिए और उन्होंने 92 रन बनाने के लिए 81 गेंदों का सामना किया। वहीं, अभिमन्यु ईश्वरन ने अपने पूरे अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 106 गेंदों पर 69 रन की सूझ-बूझ भरी पारी खेली। लेकिन इन दोनों के जाने के बाद ईस्ट जोन की टीम 266 के स्कोर पर ही ऑलआउट हो गई। इससे पहले सेंट्रल जोन ने भी अपनी पहली पारी में 266 रन ही बनाए थे।वैभव भले ही अपने शतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने अपनी आतिशी बल्लेबाजी से सेंट्रल जोन के गेंदबाजों को खासा परेशान किया। वैभव ने अपनी 92 रन की पारी में 7 चौके और सात छक्के लगाए। वैभव की पारी का अंत हर्ष दुबे ने किया। हर्ष की गेंद को बाउंड्री लाइन के पार पहुंचाने के प्रयास में वैभव अरशद खान को कैच थमा बैठे। 161 के स्कोर पर वैभव के आउट होने के बाद कुमार कुशाग्र क्रीज पर उतरे, लेकिन वह बगैर खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद ईस्ट जोन का स्कोर 200 पर पहुंचा था कि उसे दूसरे ओपनर अभिमन्यु ईश्वरन के रूप में तीसरा झटका लगा। तीन विकेट के बाद भी ईस्ट जोन बड़ी बढ़त की ओर बढ़ती नजर आ रही थी, लेकिन यहां से महज 66 रन के भीतर नियमित अंतराल पर विकेट गिरे और ईस्ट जोन की टीम 266 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अगर, ईस्ट जोन एक रन और बना लेती तो मैच ड्रॉ होने की स्थिति में वह जीत दर्ज कर सकती थी, लेकिन ऐसा हो न सका। इससे पहले, गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बूते ईस्ट जोन ने सेंट्रल जोन की पूरी टीम को पहली पारी में 266 रनों पर समेटा था। सेंट्रल जोन की ओर से रिंकू सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली।

पैरों के बालों पर छिड़ी बहस

जापान में ट्रेंड कर रहा 'लेग हेयर हैरेसमेंट'

जापान में भीषण गर्मी के बीच पुरुष कर्मचारियों को ऑफिस में शॉर्ट्स पहनने की परमिशन दी गई. इसके बाद कुछ महिलाओं ने पुरुषों के पैरों के बालों को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्ति जताई और इसे 'लेग हेयर हैरेसमेंट' का नाम दे दिया.

जापान में इन दिनों एक ऐसा मामला चर्चा में है, जिसे सुनकर शायद आप भी हैरान रह जाए. यहां न किसी बड़े कानून को लेकर विवाद है और न ही किसी नई तकनीक को लेकर, बल्कि बहस छिड़ी है पुरुषों के पैरों के बालों को लेकर. सोशल मीडिया पर लोग इसे 'लेग हेयर हैरेसमेंट' यानी 'पैरों के बालों से होने वाली परेशानी' कह रहे हैं. यह मामला अब पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है. जापान में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है. कई शहरों में तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है. ऐसे में लोगों को गर्मी से राहत देने और एयर कंडीशनर का कम इस्तेमाल करने के लिए टोक्यो प्रशासन ने कर्मचारियों को ऑफिस में हल्के और आरामदायक कपड़े पहनने की सलाह दी है. इसी अभियान के तहत पुरुष कर्मचारियों को पहली बार ऑफिस में शॉर्ट्स पहनकर आने की भी परमिशन दी गई. यह कदम कर्मचारियों को गर्मी से बचाने और बिजली की बचत करने के लिए उठाया गया है. यह पहल जापान के लंबे समय से चल रहे 'कूल बिज' अभियान का हिस्सा है. जैसे ही पुरुष शॉर्ट्स पहनकर ऑफिस आने लगे, सोशल मीडिया पर कुछ महिलाओं ने अपनी नाराजगी जाहिर करनी शुरू कर दी.

कुछ पुरुषों ने निकाला नया तरीका

इस बहस के बाद जापान में कुछ पुरुषों ने एक अलग रास्ता अपनाया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई लोग लेजर हेयर रिमूवल कराने लगे हैं, ताकि अगर वे शॉर्ट्स पहने तो पैरों के बाल दिखाई न दें और किसी को आपत्ति न हो. इसे कुछ लोग ऑफिस एटीकेट यानी वर्क कल्चर हिस्सा भी मान रहे हैं. असल में यह विवाद सिर्फ पैरों के बालों का नहीं है.

पहले लिफ्ट देता, फिर सिर काट देता था किलर

ऑस्ट्रेलिया के सबसे खूंखार सीरियल किलर्स में गिने जाने वाले इवान मिलाट का नाम आज भी लोगों के रोंगटे खड़े कर देता है. वह पहले सड़क पर लिफ्ट मांग रहे युवाओं को अपनी कार में बैठाता था, फिर उन्हें जंगल में ले जाकर बेरहमी से मार डालता था. उसके कई शिकारों के सिर काट दिए गए, कई को गोली मारी गई और शवों को उथली कब्रों में दफना दिया गया. लेकिन एक शख्स की किस्मत अच्छी थी, जो उसके चंगुल से जिंदा बच निकला.

यूएई में बढ़ती गर्मी के बीच पुलिस का सख्त फैसला

कार में बच्चे को अकेला छोड़ा तो होगी जेल और भारी जुर्माना

संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई अपने कड़े नियमों के लिए जाना जाता है. अब यहां बढ़ती गर्मी को लेकर भी एक नियम लागू किया गया है, जो अन्य देशों में देखने को नहीं मिलता है. दरअसल, यहां की पुलिस बढ़ती गर्मी को लेकर सख्त हो गई है और अब पुलिस की ओर से उन लोगों पर कार्रवाई की जाएगी, जो इस भयानकर गर्मी में बच्चों के अकेले कार में छोड़कर कहीं चले जाते हैं. शारजाह, अजमान, फुजैराह में पुलिस ने बच्चों को खड़ी गाड़ियों के अंदर बिना निगरानी के छोड़ने पर कार्रवाई करने की बात कही है. लीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अभी वहां पारा 45 डिग्री से 50 डिग्री तक पहुंचने का

अनुमान है. इसलिए अधिकारी इस मौसमी खतरे को लेकर सख्त रुख अपना रहे हैं. कानून प्रवर्तन एजेंसियां भीषण गर्मी से होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों को रोकने के लिए गहन जागरूकता अभियान चला रही हैं. शारजाह पुलिस के यातायात के डायरेक्टर ब्रिगेडियर खालिद अल-काय ने इस बात पर जोर दिया .

वैज्ञानिकों ने बनाया फॉर्मूला, जो बताएगा प्रलय की तारीख!

इंसानों का कब धरती से होगा सफाया?

धरती पर इंसानों का अस्तित्व कब तक रहेगा? क्या कभी ऐसा दिन आएगा जब मानव सभ्यता पूरी तरह खत्म हो जाएगी? ये सवाल सदियों से लोगों को परेशान करते रहे हैं. समय-समय पर दुनिया के खत्म होने यानी प्रलय को लेकर कई भविष्यवाणियां भी सामने आती रही हैं. लेकिन अब कुछ वैज्ञानिकों ने एक ऐसा मैथमेटिकल फॉर्मूला पेश किया है, जो दावा करता है कि वह यह अनुमान लगा सकता है कि इंसान कब तक इस धरती पर रहेंगे. हालांकि यह कोई तय भविष्यवाणी नहीं है, लेकिन इस फॉर्मूले ने वैज्ञानिकों और आम लोगों के बीच बड़ी बहस छेड़ दी है. इसे 'डूम्सडे आर्ग्युमेंट' यानी प्रलय तर्क कहा जाता है.

इस सिद्धांत के पीछे वैज्ञानिकों का तर्क काफी दिलचस्प है. उनका अनुमान है कि मानव इतिहास में अब तक करीब 117 अरब लोग जन्म ले चुके हैं और इस धरती पर जीवन जी चुके हैं. वैज्ञानिकों का मानना है कि आज जीवित इंसान मानव इतिहास की टाइमलाइन में किसी खास या शुरुआती स्थान पर नहीं हैं, बल्कि बिल्कुल सामान्य और रैंडम जगह पर हैं. यहीं से गणित शुरू होता है. वैज्ञानिकों के मुताबिक अगर अब तक जन्मे 117 अरब लोग मानव इतिहास के कुल लोगों का सिर्फ 5 प्रतिशत हिस्सा हैं, तो 100 प्रतिशत संख्या इससे 20 गुना ज्यादा होगी. इसी आधार पर 117 अरब को 20 से गुणा किया गया. इससे आंकड़ा निकलकर करीब 2.34 ट्रिलियन यानी 2 लाख 34 हजार करोड़ लोगों तक पहुंचता है.

2 करोड़ की फिल्म ने मचाया तहलका

कमाई 42 करोड़ पार; बड़े बजट की फिल्मों को पछाड़ बनी 2026 की सबसे बड़ी हिट

भारतीय सिनेमा के लिए साल 2026 शुरुआत से ही अच्छा साबित हो रहा है। इस साल कमाई के मामले में इंडस्ट्री को ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिले। कई क्षेत्रीय और मुख्यधारा की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। बॉलीवुड से लेकर साउथ के लिए ये साल शानदार रहा। 'धुरंधर द रिवेंज', 'जाना नायगन' और 'आवारापन 2' जैसी बड़ी फिल्मों ने अपने-अपने स्तर पर दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफलता हासिल की। हालांकि कमाई और मुनाफे के आंकड़ों के मामले में साल की सबसे बड़ी हिट बनने का सेहरा किसी बड़े स्टार-स्टडेड प्रोजेक्ट के सिर नहीं बंधा है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि एक बेहद छोटी, बिना किसी बड़े प्रचार और बिना किसी नामचीन स्टारकास्ट वाली आध्यात्मिक फिल्म के नाम दर्ज हुई है, जिसने अपनी लागत का 20 गुना से अधिक कारोबार कर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को चौंका दिया है। महान संत और आध्यात्मिक प्रतीक नीम करोली बाबा के जीवन-वृत्त पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' चालू वर्ष की सबसे लाभदायक भारतीय फिल्म बनकर उभरी है। लगभग 2 करोड़ रुपये के सीमित बजट में तैयार हुई इस फिल्म ने अब तक 2000% से अधिक का भारी-भरकम रिटर्न दिया है। अगस्त महीने की शुरुआत में जब यह फिल्म सिनेमाघरों में उतरी तो शुरुआती दिनों में इसे दर्शकों का खास प्रतिसाद नहीं मिला। पहले सप्ताह के प्रदर्शन को देखकर इसे असफल मान लिया गया था, लेकिन दूसरे हफ्ते से दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और 'वर्ड ऑफ माउथ' ने ऐसा रुख बदला कि सिनेमाघर मालिकों को इसके शो बढ़ाने पड़े। फिल्म ने अपने शुरुआती तीन दिनों में केवल 60 लाख रुपये का कारोबार किया था, जो चौथे वीकएंड तक तेजी से बढ़कर 28 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। वर्तमान में फिल्म का घरेलू नेट कलेक्शन 42 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है और यह आसानी से 50 करोड़ रुपये के मील के पत्थर की ओर बढ़ रही है। ट्रेड एनालिस्ट का अनुमान है कि जिस गति से दर्शक सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं, फिल्म का कुल कारोबार 100 करोड़ रुपये तक

पहुंच सकता है। यदि ऐसा होता है तो इसका प्रॉफिट मार्जिन 2000 प्रतिशत से बढ़कर 5000% तक जा सकता है। तुलनात्मक रूप से देखें तो 125 करोड़ के बजट वाली 'धुरंधर 2' ने करीब 1000% का मुनाफा ही कमाया है, जबकि 30 करोड़ में बनी 'आवारापन 2' का मुनाफा लगभग 450% रहा। 'हनुमान अंश' की कहानी मुख्य रूप से बालक लक्ष्मण दास के आध्यात्मिक झुकाव और उनके नीम करोली बाबा बनने तक की प्रेरक यात्रा को दर्शाती है। इसमें उनके 13 वर्ष की आयु से लेकर एक पूजनीय आध्यात्मिक संत के रूप में स्थापित होने के सफर को संजीदगी से बुना गया है।

राजनीति सिखाने का दावा करने वालों को माफ नहीं करेगा चरण सिंह का समाज : जयंत चौधरी

लखनऊ।

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयन्त चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा कि हमें राजनीति सिखाने का दावा करने वालों को चौधरी चरण सिंह का समाज माफ नहीं करेगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्श प्रेक्षागृह में रविवार को आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में जयन्त ने कहा कि अब बात बर्दाश्त के बाहर चली गई है। बात अहंकार, भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की है। बिना नाम लिए कहा कि कोई पीडीए नहीं है, यह उनकी पीड़ा है। बौखलाहट है, जिसका जवाब जनता चुनाव में दे देगी।कहा कि कई लोगों को चरण सिंह ने राजनीति में आगे बढ़ाया। वो समय के साथ भूल गए, लेकिन चुनाव सामने आया तो चौधरी साहब फिर याद आ गए। इस बहाने ब्राह्मण और सवर्ण समीकरण भी साधने का प्रयास किया गया।मंच पर 'पूर्वांचल में बढ़ते कदम, आओ लखनऊ चलें हम' के बैनर लगे हुए थे। साफ है कि रालोद पश्चिम उप्र के एक क्षेत्र से निकलकर प्रदेशभर में पैर पसारने में जुटा है। पार्टी लगातार सपा के खिलाफ हमलावर है, जबकि भाजपा की तरह बूथ प्रबंधन में भी जुटी है। जयंत ने सपा समेत अन्य विरोधी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि चौधरी साहब की तस्वीर लगाने से कुछ नहीं होना, उनके विचारों को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि रालोद जातिवाद की धुर विरोधी है। उन्होंने चौधरी चरण सिंह को महान अर्थशास्त्री और चौधरी अजीत सिंह को बेहद पढ़ा लिखा व्यक्तित्व बताया।

दोनों नेता सर्वसमाज को लेकर चले। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को इनसे सीखना चाहिए। जयंत ने योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि तमिलनाडु के बाद यूपी ही ऐसा राज्य है जहां डिफेंस कारिडोर बन रहा। 30 हजार करोड़ का निवेश हो चुका है। इतना ही निवेश और किया जाएगा। बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होगा। पहले इसी यूपी को 'उल्टा पुल्टा प्रदेश' कहा जाता था। सपाइयों पर तंज कसते हुए कहा कि सामने वाला ट्विटर-ट्विटर खेल रहा है। पहले तो इन लोगों ने छात्रों से कहा खूब चीटिंग करो। अब कहते हैं बंद स्कूल चालू करो। उन्होंने कहा कि यूपी में स्कूलों को लेकर योगी सरकार ने कायाकल्प माडल दिया, जिसे अन्य राज्य अपना रहे हैं। इससे पहले कार्यक्रम में जयंत चौधरी का स्वागत पूर्व एमएलसी प्रत्याशी बीके शुक्ला ने चांदी का मुकुट पहनाकर किया। जयंत ने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल की संगठनात्मक प्राथमिकताओं, कार्यकर्ताओं की भूमिका एवं वैचारिक पारदर्शिता पर विशेष नजर है। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल का मजबूत राजनीतिक आधार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रहा है, लेकिन अब पार्टी अवध और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी संगठनात्मक विस्तार एवं जनसंपर्क को नई गति देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ अवध और पूर्वांचल के साथ व्यापक राजनीतिक एवं सामाजिक संवाद का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने समारोह को पार्टी संगठन और कार्यकर्ताओं के साथ सीधे संवाद का महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने राष्ट्रीय लोक दल की संगठनात्मक प्राथमिकताओं, कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा उत्तर प्रदेश में संगठन के विस्तार को लेकर अपने विचार साझा किए। कार्यकर्ताओं से उन्होंने आह्वान किया कि वे जमीनी स्तर पर सक्रिय रहते हुए समाज के विभिन्न वर्गों से निरंतर संवाद स्थापित करें और पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं जनहित के मुद्दों को व्यापक स्तर तक पहुंचाएं।

दागी पुलिसकर्मियों पर रखें पैनी नजर : पुलिस आयुक्त

लखनऊ।

पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने गलत कार्यों में लिप्त और दंडित पुलिसकर्मियों पर सख्त रुख अपनाया है। उन्हें जन संपर्क से दूर रखने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। बृहस्पतिवार रात डालीगंज स्थित जेसीपी लॉ एंड ऑर्डर कार्यालय में आयुक्त ने आगामी त्योहारों, यातायात व कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में लूट, डकैती, धर्मांतरण, गोहत्या जैसे संवेदनशील मामलों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। फर्जी व भ्रामक सूचनाओं की रोकथाम के लिए सोशल मीडिया पर नजर रखने को कहा। लंबित विवेचनाओं का डीसीपी-एसीपी स्तर पर निगरानी कर समयबद्ध निस्तारण का आदेश दिया। आगामी त्योहारों में सुगम यातायात और यूपी-112 से त्वरित प्रतिक्रिया व प्रभावी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जेसीपी लॉ एंड ऑर्डर बबलू कुमार, जेसीपी क्राइम अपर्णा कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

72 अवैध चैंबर और दुकानों पर चला बुलडोजर

हाईकोर्ट के आदेश पर बड़ा एक्शन, भारी पुलिस फोर्स रही तैनात

हाई कोर्ट के निर्देश पर लखनऊ में रविवार शाम को बुलडोजर एक्शन हुआ। हाई कोर्ट के निर्देश पर 72 अवैध चैंबर व दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया। वकीलों ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की शरण ली, लेकिन वहां इनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। शाम को पुलिस फोर्स के साथ नगर निगम प्रशासन टीम ने अवैध कब्जों पर कार्रवाई की। हाईकोर्ट ने भी इन अवैध निर्माणों को तोड़ने का आदेश दिया था। इसके बाद नगर निगम ने चिह्नित 72 अवैध निर्माणों के साथ ही नाले के ऊपर बन गए चैंबरों को नोटिस जारी की थी और उसे वहां पर चस्पा भी कर दिया था। नगर निगम ने पुलिस और जिला प्रशासन को पत्र लिखकर पर्याप्त मात्रा में पुलिस और पीएसी बल मांगा है। वीआईपी कार्यक्रम के चलते शाम पांच बजे पुलिस बल की उपलब्धता होने के बाद नगर निगम ने वकीलों के अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया। विरोध के बीच यह कार्रवाई जारी रही। वकीलों को सुप्रीम कोर्ट के राहत न मिलने पर रविवार को चैंबर और अन्य अवैध दुकानों पर नगर निगम का बुलडोजर चला है। अधिवक्ता अनुराधा सिंह, अधिवक्ता देवांशी श्रीवास्तव और देवांशी की माता अरुणिमा श्रीवास्तव ने ही अवैध निर्माणों को हटाने की मांग की थी और उनकी याचिका

पर 11 मार्च को हाईकोर्ट इलाहाबाद की लखनऊ खंडपीठ के न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की पीठ ने कचहरी रोड से अवैध कब्जों को हटाने का आदेश दिया था, लेकिन पुलिस बल न मिलने से कार्रवाई नहीं हो सकी थी और नगर निगम ने कोर्ट को बताया था कि पुलिस बल की उपलब्धता न होने की अवैध कब्जों को हटाया नहीं जा सका। इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई पर जिला प्रशासन को पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने के साथ ही 25 मई को कार्रवाई से जुड़ी रिपोर्ट भी तलब की थी। याचिकाकताओं ने आरोप लगाया था कि वकीलों के चैंबर अवैध तरह से बनाए गए हैं और उसमें अराजकता होती है। कोर्ट के आदेश पर नगर निगम ने भारी सुरक्षा बल के बीच 17 मई को 72 अस्थायी कब्जों को हटाया दिया था लेकिन कार्रवाई के दौरान वकीलों का भारी विरोध झेलना पड़ा था और दोपहर में ही कार्रवाई को बंद करना पड़ा था। कार्रवाई के दौरान वकीलों के उग्र रूप को देखते हुए पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा था। कोर्ट में नगर निगम ने की गई कार्रवाई की रिपोर्ट दी तो चार अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कैसरबाग स्थित सिविल कोर्ट परिसर के आसपास अवैध अतिक्रमण हटाने के मामले में अपना रुख और सख्त अपनाया और शेष 72 चैंबर व दुकानों के कब्जेदारों को अंतिम अवसर देते हुए कहा कि वे स्वेच्छा से अवैध कब्जा खाली करने को कहा था। यह भी कहा था कि कब्जेदार सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपने कब्जे के वैध होने का साक्ष्य प्रस्तुत करें। ऐसा नहीं करने पर संबंधित चैंबरों व दुकानों को ध्वस्त कर दिया जाए। कोर्ट ने यहां तक कहा था कि कब्जेदारों को भली-भांति पता है कि उनके कब्जे अवैध व अनधिकृत हैं और उन्हें हटाया जाना है, फिर भी न्यायहित में उन्हें एक और अवसर दिया जा रहा है। इसके बाद नगर निगम ने अवैध कब्जा करने वाले सौ लोगों को 19 अगस्त को नोटिस जारी की थी और उसे वकीलों के अधिकांश चैंबरों पर चस्पा कर दिया गया और तीस अगस्त से पहले अवैध कब्जों को हटाने को कहा गया है। इसमें कोर्ट में जिन 72 अवैध कब्जेदारों की सूची दी गई थी, उनके नाम भी शामिल थे।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का संकल्प लेकर बूथों पर सुनी मन की बात

मन की बात के 137वें संस्करण के बाद बूथ समितियों की बैठकें, संगठन मजबूती पर जोर

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को जिले के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें संस्करण का श्रवण किया गया। जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय के बूथ संख्या 321 हुसैन नगर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। वहीं सदर विधानसभा के शक्ति केंद्र आवास विकास स्थित बूथ संख्या 264 पर विधायक पंकज गुप्ता ने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की।

भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला ने अपने आवास तथा मोहान विधायक बृजेश कुमार रावत ने अपनी विधानसभा के कार्यालय में कार्यकर्ताओं व उपस्थित लोगों के साथ मन की बात सुनी। कार्यक्रम के बाद जिले के सभी बूथों पर बूथ समितियों की बैठकें आयोजित कर संगठन को और मजबूत बनाने पर मंथन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में युवाओं से श्नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतश् अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं, कलाकारों, थिएटर समूहों और कंटेंट क्रिएटर्स से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए स्लोगन, गीत और लघु नाटक तैयार कर सोशल मीडिया पर रुछैंडनाजलनअं के साथ साझा करने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना से आत्मनिर्भर बन रही महिलाओं की सफलता, सूर्यपथ तिरंगा अभियान, वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने और स्वच्छता के क्षेत्र में युवाओं की जनभागीदारी की भी सराहना की।

हर बूथ तक पहुंचेगा नशामुक्ति का संदेश

बूथ समिति की बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी और विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री का नशा मुक्ति का आह्वान युवाओं के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। नशा समाज को दीमक की तरह खोखला करता है। भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के संदेश को गांव, गली और बूथ स्तर तक पहुंचाकर जनजागरण करेंगे।

उन्होंने कहा कि बूथ समितियों की बैठकें आगामी सांगठनिक गतिविधियों को गति देने के साथ ही नशा मुक्त युवा, विकसित भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रमों की उपस्थिति और बैठकों की रिपोर्ट भाजपा की आईटी टीम ने संगठन के डिजिटल प्लेटफॉर्म सरल ऐप पर रीयल टाइम अपलोड की।

इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अनिल कुशवाहा, नगर अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, शक्ति केंद्र संयोजक बृजेश पांडेय, दिव्यांग प्रकोष्ठ सह संयोजक सचिन द्विवेदी, बूथ अध्यक्ष दुर्गेश दीक्षित, अवध निगम समेत मंडल पदाधिकारी, बूथ समिति सदस्य और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

सामान निकालते समय युवक को जहरीले कीड़े ने काटा

नवाबगंज उन्नाव। विकासखंड के जनसार गांव में रविवार दोपहर घर के पीछे वाले कमरे से सामान निकालते समय एक युवक को जहरीले कीड़े ने काट लिया। अचानक हुई घटना से युवक की हालत बिगड़ने लगी। जानकारी मिलने पर दोस्त ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

जनसार गांव निवासी कुलदीप (22) पुत्र छोटेलाल ने बताया कि रविवार दोपहर वह घर में अकेला था। पीछे के कमरे से सामान निकालने के दौरान अचानक किसी जहरीले कीड़े ने उसे काट लिया। कीड़े के काटने के बाद उसने तत्काल अपने दोस्त उमाकांत को घटना की जानकारी दी।

दोस्त ने मौके पर पहुंचकर कुलदीप को सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है और चिकित्सकों की निगरानी में इलाज जारी है।

घुसी रोडवेज बस, चालक की मौत, 18 घायल

नवाबगंज में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पास तड़के हुआ हादसा, बस में सवार थे करीब 49 यात्री

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र में रविवार तड़के करीब तीन बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। नवाबगंज में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पास काश्री ढाबे के सामने सड़क पर पीछे किए जा रहे डंपर में बस्ती से कानपुर जा रही रोडवेज बस पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस चालक समेत 18 यात्री घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल चालक ने जिला अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दिया।

रोडवेज बस संख्या यूपी78जेटी4952 बस्ती से करीब 49 यात्रियों को लेकर कानपुर जा रही थी। इसी दौरान डंपर संख्या बीआर24जीडी4141 को सड़क पर पीछे किया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, बस चालक को डंपर के पीछे होने का अंदाजा नहीं लग सका और बस तेज रफ्तार में डंपर से जा टकराई। टक्कर के बाद बस में चीख-पुकार मच गई।

घायलों को ग्रामीणों की मदद से निकाला

हादसे की सूचना मिलते ही अजगैन थाना पुलिस और पीआरवी टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को एंबुलेंस और पीआरवी वाहनों से सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया गया।

हादसे में बस चालक देवी प्रसाद (35) पुत्र इंद्रजीत निवासी विक्रमजीत परशुरामपुर, बस्ती गंभीर रूप से घायल हुए थे। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

70 और 65 वर्ष के यात्री भी घायल

हादसे में परिचालक सुनील कुमार चैहान के अलावा रामचेत (70), शोभित (20), ब्रजलता, नसीबुल्ला, राशिद, सोनम (34), अनन्या, रानी (34), अमृत राज (19), अथर्व कुमार, विशाल पांडे (28), बाल मुकुंद (65), सुमित्रा (28), दिनेश (35), पंकज कुमार (29), अरविंद कुमार (28) और हरीश उपाध्याय (65) घायल हुए हैं। घायलों में बस्ती, गोंडा, कानपुर नगर, संतकबीरनगर, अंबेडकरनगर और अयोध्या समेत कई जिलों के यात्री शामिल हैं।

गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया, जबकि मामूली चोट वाले यात्रियों का सीएचसी में उपचार किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद 14 यात्रियों की हालत सामान्य बताई गई। पुलिस और रोडवेज विभाग ने दूसरी बस की व्यवस्था कर उन्हें गंतव्य के लिए रवाना कर दिया।

डंपर को पीछे करते समय सुरक्षा इंतजामों की जांच

पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि सड़क पर डंपर को पीछे करते समय सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे या नहीं। साथ ही हादसे के दौरान दोनों वाहनों की स्थिति और बस के डंपर से टकराने की परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है।

साइकिल रेस में सुधीर और प्रतिभा ने मारी बाजी

खेल दिवस पर 69 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, 31 अगस्त को होगा पुरस्कार वितरण

खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिला खेल कार्यालय उन्नाव के तत्वावधान में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को संडे ऑन साइकिल के तहत साइकिल रेस प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में सुधीर कुमार वर्मा और बालिका वर्ग में प्रतिभा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता से पहले हाकी के जादूगर एवं विश्वविख्यात खिलाड़ी स्वर्गीय मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद चांदमारी पानी की टंकी, कांशीराम कॉलोनी के पास से साइकिल रेस शुरू हुई। प्रतिभागी फायर स्टेशन होते हुए राधाकृष्ण मंदिर पहुंचे, जहां प्रतियोगिता का समापन हुआ।प्रभारी जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी अरुणेश कुमार का बैच लगाकर स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने हरी झंडी दिखाकर रेस को रवाना किया। प्रतियोगिता में 42 बालकों और 27 बालिकाओं समेत 69 खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में सुधीर कुमार वर्मा ने पहला, कमल वर्मा ने दूसरा और कुनाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में प्रतिभा प्रथम, मीनाक्षी द्वितीय और प्रज्ञा तृतीय रहीं।

आज होंगी वालीबाल व फुटबाल प्रतियोगिताएं

खेल दिवस के अंतिम दिन सोमवार को सुबह 10 बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम में बालक वर्ग की वालीबाल और पास द वॉल प्रतियोगिता आयोजित होगी। वहीं बालक वर्ग की फुटबाल प्रतियोगिता सेंट लॉरेंस स्कूल, पीडी नगर में कराई जाएगी। प्रतियोगिताओं के समापन के बाद शाम चार बजे जिलाधिकारी विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी रामसेवक, मोहम्मद इरशाद अहमद, विकास अवस्थी, शशिकांत, कुशमेश कुमार, शिवानी गुप्ता, कृष्ण प्रताप सिंह समेत खिलाड़ी और उनके अभिभावक मौजूद रहे।

काउंसिलिंग से 17 दंपती के बीच खत्म हुआ विवाद, साथ रहने को हुए राजी

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के सभी थानों की महिला हेल्पडेस्क पर रविवार को पति-पत्नी के विवाद से जुड़े मामलों में प्रभावी काउंसिलिंग की गई। परिवार परामर्शदाताओं और महिला हेल्पडेस्क की टीम ने दंपती की समस्याएं सुनकर आपसी मतभेद दूर कराए। काउंसिलिंग के बाद 17 दंपती बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ अपने घर लौटे।

महिला हेल्पडेस्क पर दंपती को आमने-सामने बैठाकर विवाद की वजह जानी गई। परिवार परामर्शदाताओं ने दोनों पक्षों को समझाया और आपसी संवाद के जरिए मतभेद दूर करने का प्रयास किया। समझाइश के बाद दंपती ने भविष्य में विवाद न करने और मिलजुलकर परिवार चलाने पर सहमति जताई।

महिला थाना से चार, अजगैन और पुरवा थाने से तीन-तीन, सदर कोतवाली से दो तथा बारासगवर, हसनगंज, गंगाघाट, बीघापुर और आसीवन थाने से एक-एक दंपती को साथ रहने के लिए विदा किया गया।

प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र समिति डॉ. आशीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में डॉ. सागीर अहमद और डॉ. अबसार अली ने काउंसिलिंग में सहयोग किया। पुलिस टीम में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, हेड कांस्टेबल उपासना पाठक तथा महिला आरक्षी पूनम यादव, अंजली राजपूत, प्रियंका मिश्रा, अमिता, स्वाती यादव, बब्ली, पूजा, नीतू सिंह, सीमा देवी, ममता और शीतल यादव शामिल रहीं। पुलिस के इस प्रयास से विवाद के कारण अलग रह रहे दंपती फिर साथ आए, जिससे उनके परिवारों को बिखरने से बचाने में मदद मिली।

दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को 268 करोड़ से अधिक की सहायता

टीचर्स सेल्फ केयर टीम उन्नाव की ओर से रविवार को दिवंगत शिक्षकों के सम्मान में श्रद्धांजलि सभा एवं शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में जिले समेत विभिन्न जनपदों से एक हजार से अधिक शिक्षक शामिल हुए।

सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि समाज में शिक्षक ही ऐसा वर्ग है, जो केवल अपने लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए भी सोचता है। शिक्षक लीक से हटकर नई दिशा देने की क्षमता रखता है। शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने कहा कि शिक्षक समाज हमेशा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता रहा है। टीचर्स सेल्फ केयर टीम का यह प्रयास भी समाज के लिए प्रेरणादायक है।

प्रदेश अध्यक्ष विवेकानंद ने बताया कि टीचर्स सेल्फ केयर टीम अब तक बिना किसी बाहरी सहायता के 268 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को उपलब्ध करा चुकी है। अब तक 680 से अधिक परिवारों को योजना का लाभ दिया जा चुका है। उन्होंने घोषणा की कि प्रयागराज में दिवंगत शिक्षकों की स्मृति में श्शिक्षक पथश् बनाया जाएगा। यहां प्रत्येक दिवंगत शिक्षक के नाम पर पीपल का पौधा लगाया जाएगा और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षकों के लिए 15 दिन विशेष अवकाश की मांग

प्रदेश कार्यकारिणी की ओर से शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। इसमें शिक्षक परिवार में बच्चे के जन्म, परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु अथवा स्वयं शिक्षक के विवाह के अवसर पर 15 दिन के विशेष अवकाश की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई।

प्रदेश कोषाध्यक्ष संजीव रजक ने कहा कि टीम अपनी वर्तमान योजनाओं में सफल रही है। शिक्षकों का सहयोग मिलता रहा तो भविष्य में नए कीर्तिमान स्थापित किए जाएंगे। प्रदेश महामंत्री सुदेश पांडेय ने बताया कि सहयोग के मामले में टीम पिछले दो वर्षों में 45वें स्थान से 10वें स्थान पर पहुंची है। उन्होंने उन्नाव के शिक्षकों से शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

ब्लॉक पदाधिकारियों को सौंपे कार्यभार पत्र

कार्यक्रम में टीचर्स सेल्फ केयर टीम की जिला कार्यकारिणी ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का सम्मान किया। ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारियों को कार्यभार ग्रहण पत्र सौंपे गए, जबकि 500 से अधिक शिक्षकों को आभार पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह नंदू, वरिष्ठ शिक्षाविद ज्ञानेंद्र शुक्ला, प्रियंका शुक्ला, श्रद्धा बाजपेई, बृजेश पांडेय, विवेक तिवारी, अनुपम मिश्रा, कृष्ण शंकर मिश्रा, शिवेंद्र प्रताप सिंह, सुरेंद्र प्रकाश, सचिन मिश्रा समेत हरदोई, जालौन, औरैया, मेरठ, कन्नौज और लखनऊ के पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला संरक्षक अरविंद सिंह, जिला संयोजक कमल दीक्षित, जिला प्रवक्ता अनुज कुमार वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी विश्वनाथ तिवारी, आईटी सेल प्रभारी आशुतोष गौड़ समेत बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। संचालन विश्वनाथ तिवारी ने किया।

गांव की चैपाल में सुनी समस्याएं, आपसी विवादों का कराया निस्तारण

उन्नाव। ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान गांव स्तर पर ही कराने के उद्देश्य से रविवार को शेरपुर अछिरछा गांव में पुलिस ने ग्राम चैपाल लगाई। थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित चैपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं। कई आपसी विवादों को दोनों पक्षों की सहमति से स्थानीय स्तर पर ही निस्तारित कराया गया।

चैपाल के दौरान पुलिस ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार की ओर से जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्रामीणों ने नाली, खड़ंजा और घूरे आदि से जुड़ी समस्याओं के साथ आपसी विवाद भी पुलिस के सामने रखे। पुलिस ने दोनों पक्षों की बात सुनकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास किया और कई मामलों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने कहा कि ग्राम चैपाल का उद्देश्य ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याओं और आपसी विवादों को गांव स्तर पर ही सुलझाना है। इससे ग्रामीणों को थाने के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। साथ ही समय रहते विवादों का समाधान होने से भविष्य में होने वाली बड़ी घटनाओं को भी रोका जा सकेगा।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-कौशांबी बॉर्डर पर स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई

घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। वहीं, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम के साथ ग्रामीणों ने मिलकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि गंभीर रूप से झूलसे हुए लोगों को चारपाई पर लादकर स्थानीय लोग अस्पताल पहुंचाएं हैं।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-कौशांबी बॉर्डर पर स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई है। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त एक दर्जन से अधिकारी मजदूर फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे थे। इसी दौरान विस्फोट हो गया, जिसमें सभी लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं। इनमें से कुछ लोगों के मौत की भी जानकारी सामने आई है। यह पटाखा फैक्ट्री मनोरी स्थित एयर फोर्स स्टेशन के काफी नजदीक थी, जिसके बाद एयरफोर्स के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। वहीं, घटना की जानकारी होने के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, पटाखा फैक्ट्री में मजदूर काम कर रहे थे, इसी दौरान विस्फोट होने के बाद फैक्ट्री में आग लग गई। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि दूर तक विस्फोट की आवाज सुनाई दी। 2 किलोमीटर दूर से ही धुएं का अंबार दिखाई दे रहा था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक इस घटना में अब तक 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को फैक्ट्री से बाहर निकाला। सभी घायलों का प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। वहीं, विस्फोट के कारण करीब आधा दर्जन मकान भी जमीनदोज हो गए हैं। बताया जा रहा है कि इन मकानों में कई लोग मलबे में दबे हुए हैं, जिन्हें रेस्क्यू करने के लिए बुलडोजर की मदद से मलबे को हटाया जा रहा है। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। वहीं, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम के साथ ग्रामीणों ने मिलकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि गंभीर रूप से झूलसे हुए लोगों को चारपाई पर लादकर स्थानीय लोग अस्पताल पहुंचाएं हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान इस मामले में सामने नहीं आया है। फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीम फैक्ट्री में लगी आग को बुझाने में जुट गई है। कौशांबी के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी होने के साथ ही पुलिस टीम और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य में जुट गईं। उन्होंने बताया कि फिलहाल फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। अब तक जितने लोगों को भी बाहर निकल गया है, उनमें से पांच ऐसे लोग हैं जिन्हें गंभीर चोटे लगी हैं, इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी को एसआरएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया है और घायलों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मौके पर राहत और बचाव कार्य चल रहा है।

यूपी के सोनभद्र में प्रेम-प्रसंग में एक युवक की हत्या कर दी, हैरान कर देने वाली घटना सामने आई

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। शक्तिनगर में सड़क हादसे के पीछे छिपी खौफनाक हत्या की कहानी ने पुलिस को भी चौंका दिया। पत्नी के प्रेम-प्रसंग का राज खुलने के बाद पति को रास्ते से हटाने के लिए कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद साजिशकर्ताओं ने शव को सड़क किनारे ले जाकर वाहन से चोट पहुंचाई और पूरी वारदात को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस की पैनी नजर से साजिश ज्यादा देर छिप नहीं सकी। महज 24 घंटे के भीतर पुलिस ने हत्या का पर्दाफाश करते हुए पत्नी, उसके प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामला बीना स्टेडियम, जमशीला के पास का है। 23 अगस्त को एनसीएल बीना में सीनियर ओवरमैन रमाशंकर मिश्रा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे मिला था। पहली नजर में मामला दुर्घटना का प्रतीत हुआ, लेकिन घटनास्थल के हालात ने पुलिस को संदेह में डाल दिया। जांच आगे बढ़ी तो कॉल डिटेल, लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों ने वारदात की परतें खोलनी शुरू कर दीं। पुलिस के अनुसार, रमाशंकर की पत्नी प्रियंका मिश्रा का विकास चौहान से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। 22 अगस्त की रात रमाशंकर ने दोनों को घर के बेडरूम में पकड़ लिया था। विवाद बढ़ने पर प्रियंका और विकास ने कथित तौर पर गला दबाकर और पत्थर के फर्श पर सिर पटककर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद विकास ने अपने साथी अनुराग सिंह उर्फ बादल और सोनू गुप्ता की मदद से शव को चादर और गमछे में लपेटकर सड़क किनारे पहुंचाया। वाहन से चोट पहुंचाकर हादसे का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अखिलेश यादव का योगी सरकार पर बड़ा हमला, बोले- 'STF' बनी 'स्वजातीय टॉर्चर फोर्स'

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार पर जाति के आधार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया और कहा कि जाति के आधार पर फ़र्ज़ी एनकाउंटर किए गए। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने राज्य की स्पेशल टास्क फ़ोर्स (STF) की आलोचना करते हुए दावा किया कि इसका इस्तेमाल समाज के कुछ खास वर्गों के ख़िलाफ़ किया गया। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री की STF का असल मतलब 'स्वजातीय टॉर्चर फ़ोर्स' है और समाज के PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्गों को लगातार उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में बदायूं में एक पुलिस स्टेशन के अंदर एक दलित युवक की हत्या कर दी गई; गौरतलब है कि बदायूं के 22 पुलिस स्टेशनों में से 10 के इंचार्ज (SHO) मुख्यमंत्री की अपनी जाति के हैं। उन्होंने कस्टडी में हुई मौतों के बारे में पुलिस के बयानों और मौजूद सबूतों में अंतर का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में एनकाउंटर जाति से प्रभावित होते हैं। यादव ने कहा कि बदायूं में कस्टडी में हुई मौत के मामले में पुलिस कार्डियक अरेस्ट को वजह बता रही है, लेकिन उनका बयान CCTV फुटेज से मेल नहीं खाता। वाराणसी में मुख्यमंत्री की जाति के लोगों ने रामजनम नाम के एक दलित व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। फर्जी एनकाउंटर के मामलों में, एनकाउंटर जाति के आधार पर किए गए। भविष्य में जब सरकार बदलेगी, तो इन सभी मामलों की जांच होगी। पुलिस विभाग के अंदर भी PDA से जुड़े लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। चुनाव से जुड़े मामलों पर बात करते हुए, यादव ने आरोप लगाया कि BJP आने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले एक और वोटर लिस्ट में सुधार का अभियान चलाने की योजना बना रही है, जिसका मकसद दूसरे राज्यों से आए लोगों को वोटर के तौर पर रजिस्टर करना है। उन्होंने कहा कि SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) के बाद, BJP UP चुनावों से पहले एक और रिविजन करने की योजना बना रही है; उन्होंने पहले SIR के बाद 'फॉर्म 7' भरा था। अब, वे बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड से आए लोगों को UP में वोटर के तौर पर रजिस्टर करने के लिए SAR (स्पेशल एनुअल रिविजन) करने का इरादा रखते हैं। हमारी पार्टी का बूथ लेवल पर चुनाव प्रचार कल से शुरू होने वाला है।

फतेहपुर में हुई खूनी वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के असनी गांव में सनसनीखेज घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दोनों मुख्य इनामिया आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। 29 अगस्त की रात करीब 10 बजे शराब के ठेके के सामने पुरानी रंजिश ने एक व्यक्ति की जान ले ली गई थी। ठेका सेल्समैन गोवर्धन निषाद के बेटों से वैभव तिवारी की कहासुनी के बाद विवाद इतना बढ़ा कि ठेका मालिक पक्ष ने लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली चला दी। गोली लगने से मनीष तिवारी उर्फ मनीष की मौके पर ही मौत हो गईबताया गया कि वैभव तिवारी अपने पिता मनीष तिवारी और गांव के अन्य लोगों के साथ ठेके पर पहुंचा था। इसी दौरान गोवर्धन निषाद ने फोन कर ठेका संचालक अमन सिंह उर्फ अखिलेन्द्र विक्रम सिंह और उसके भाई इन्द्रेश विक्रम सिंह उर्फ मनू सिंह को बुला लिया। दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हुई। इस पर अमन सिंह के उकसाने पर मनू सिंह ने अपनी मां संगीता देवी के नाम की लाइसेंसी रिवाल्वर निकालकर मनीष के सीने में गोली मार दी। वारदात के बाद दोनों भाई कार से फरार हो गए। घटना के बाद 30 अगस्त को परिजनों ने शव लखनऊ-फतेहपुर हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया और मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। दबाव बढ़ने पर पुलिस ने सेल्समैन गोवर्धन निषाद को गिरफ्तार कर लिया। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने फरार दोनों मुख्य आरोपियों अमन सिंह और मनू सिंह पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। साथ ही उन्हें पनाह देने वालों पर भी कार्रवाई के आदेश दिए। पुलिस टीम ने 30 अगस्त को लखनऊ के चिनहट क्षेत्र के निजामपुर मल्हौर से दोनों इनामिया भाइयों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा किया। पूछताछ में आरोपियों ने रिवाल्वर पंकज पाण्डेय को छिपाने के लिए देने और आशुतोष तिवारी, आशुतोष सिंह उर्फ चेतन सिंह के संरक्षण में लखनऊ में छिपे होने की बात कबूली है।